प्रेस हेतु सूचना नोट (प्रेस विज्ञप्ति सं. 70/2024)

भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण
नई दिल्ली, 9th अक्टूबर, 2024

तुरंत जारी करने हेतु

वेबसाइटः www.trai.gov.in

"30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए
"भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट"

आज भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण ने 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए "भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट" जारी की है। यह रिपोर्ट दूरसंचार सेवाओं का एक व्यापक परिदृश्य उपलब्ध कराती है तथा 1 अप्रैल, 2024 से 30 जून, 2024 की अवधि के लिए भारत में दूरसंचार सेवाओं के साथ-साथ केबल टेलीविजन, डीटीएच तथा रेडियो प्रसारण सेवाओं के लिए महत्वपूर्ण मानदण्ड तथा विकास के रूझानों को प्रस्तुत करती है। इसे सेवा प्रदाताओं द्वारा उपलब्ध कराई गई सूचना के आधार पर संकलित किया गया है।

उक्त रिपोर्ट का कार्यकारी सारांश यहाँ संलग्न है। संपूर्ण रिपोर्ट भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण की वेबसाईट www.trai.gov.in और लिंक http://www. trai.gov.in/release-publication/reports/performance-indicators-reports) पर उपलब्ध है। इस रिपोर्ट से संबंधित किसी भी सुझाव या स्पष्टीकरण के लिए श्री अमित शर्मा, सलाहकार (एफएण्डईए), भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण, नई दिल्ली से दूरभाष-+91-20907772 एवं ई-मेल advfea2@trai.gov.in पर संपर्क किया जा सकता है।

(अतुल कुमार चौधरी)
सचिव, भा.दू.वि.प्रा.

भारतीय दूरसंचार सेवा निष्पादन संकेतक रिपोर्ट
अप्रैल से जून, 2024

कार्यकारी सारांश

1. इंटरनेट उपभोक्ताओं की कुल संख्या जून, 2024 के अंत में बढ़कर 969.60 मिलियन हो गई जो कि मार्च 2024 के अंत में 954.40 मिलियन थी जिसमें 1.59 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई। कुल 969.60 मिलियन इंटरनेट उपभाक्ताओं में से वायरलाईन इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 42.04 मिलियन तथा वायरलेस इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 927.56 मिलियन है।

इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या का वितरण

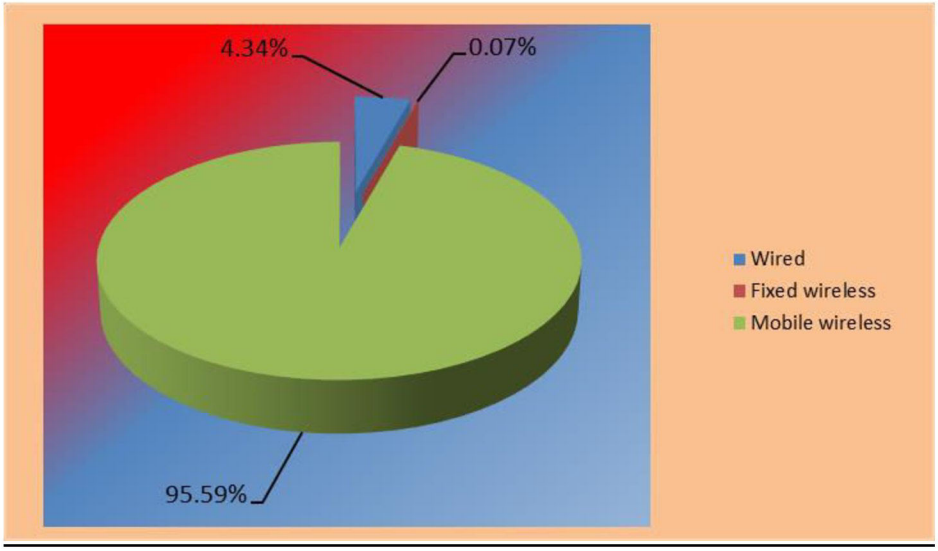

2. इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या में ब्रॉडबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 940.75 मिलियन और नैरोबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या 28.85 मिलियन है।

3. ब्राडबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या जून, 2024 के अंत में बढ़कर 940.75 मिलियन हो गई जो कि मार्च 2024 के अंत में 924.07 मिलियन थी जिसमें 1.81 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई। नैरोबैंड इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या जून, 2024 के अंत में घटकर 28.85 मिलियन हो गई जो कि मार्च 2024 के अंत में 30.34 मिलियन थी।

4. वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या जून, **202**4 के अंत में बढ़कर 35.11 मिलियन हो गयी जो कि मार्च **202**4 के अंत में 33.79 मिलियन थी जिसमें 3.90 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर दर्ज की गई और जून, **202**4 को समाप्त तिमाही अवधि के लिए वायरलाइन उपभोक्ताओं की संख्या में वर्ष-दर-वर्ष (वाई.ओ.वाई.) 15.81 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

5. वायरलाइन दूरसंचार घनत्व 3.67 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर के साथ जून, **202**4 के अंत में बढ़कर 2.50 प्रतिशत हो गया जो कि मार्च **202**4 के अंत में 2.41 प्रतिशत था।

6. वायरलेस दूरसंचार सेवा के लिए प्रति उपभोक्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू) 2.55 प्रतिशत तिमाही वृद्धि दर के साथ जून, **202**4 को समाप्त तिमाही में बढ़कर **1**57.45 रुपए हो गया जो कि मार्च **202**4 को समाप्त तिमाही को **1**53.54 रुपए था। इसी तिमाही में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर मासिक एआरपीयूमें 8.11 प्रतिशत की दर से वृद्धि हो गया।

7. वायरलेस सेवा के लिए प्रतिमाह प्रीपेड एआरपीयूजून, **202**4 को समाप्त तिमाही में बढ़कर 154.80 रूपए हो गया जो कि मार्च **202**4 को समाप्त तिमाही को 150.74 रूपए था और इसी तिमाही के दौरान प्रतिमाह पोस्ट-पेड एआरपीयू भी 187.85 रुपए से बढ़कर 189.17 रुपए हो गया।

8. अखिल भारतीय औसत आधार पर जीएसएम सेवा के लिए 2.16 प्रतिशत की ह्रास दर के साथ समग्र उपयोग की गई मिनट (एमओयू) प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह जून **202**4 को समाप्त तिमाही के लिए घटकर 974 मिनट हो गया जो कि मार्च **202**4 को समाप्त तिमाही के लिए 995 मिनटथा।

9. वायरलेस प्रीपेड सेवा के लिए जून, 2024 को समाप्त तिमाही में एमओयू प्रति उपभोक्ता प्रति माह 1010 और पोस्ट-पेड सेवा के लिए 39 था।

10. जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए दूरसंचार सेवा क्षेत्र हेतु सकल राजस्व (जीआर), प्रयोज्य सकल राजस्व (एपीजीआर) तथा समयोजित सकल राजस्व (एजीआर) क्रमश: 86,031 करोड़ रुपए, 83,087 करोड़ रुपए तथा 70,555 करोड़ रुपए रहा। जून, 2024 को समाप्त तिमाही में पिछली तिमाही के मुकाबले जीआर में 2.16 प्रतिशत की एवं एपीजीआर में 1.02 प्रतिशत की ह्रास दर और एजीआर में 0.13 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई।

11. पिछले वर्ष की इसी तिमाही में जीआर, एपीजीआर तथा एजीआर में वर्ष-दर-वर्ष (वाई.ओ.वाई.) वृद्धि दर क्रमशः 6.34 प्रतिशत, 6.05 प्रतिशत तथा 7.51 प्रतिशत दर्ज की गई।

12. जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए पास-थ्रू-प्रभार पिछले तिमाही के 13,482 करोड़ रुपए से घटकर 12,561 करोड़ रुपए हो गया। पास-थ्रू-प्रभार में तिमाही ह्रास दर 6.84 प्रतिशत रही और वर्ष-दर-वर्ष आधार पर भी ह्रास दर 4.99 प्रतिशत रही।

13. जून, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए लाइसेंस शुल्क बढ़कर 5,645 करोड़ रुपए हो गया जो कि मार्च, 2024 को समाप्त तिमाही के लिए 5,637 करोड़ रुपए था। इस तिमाही के दौरान लाइसेंस शुल्क में तिमाही तथा वार्षिक वृद्धि दर क्रमशः 0.4 प्रतिशत तथा 7.62 प्रतिशत रही।

समायोजित सकल राजस्व का वितरण

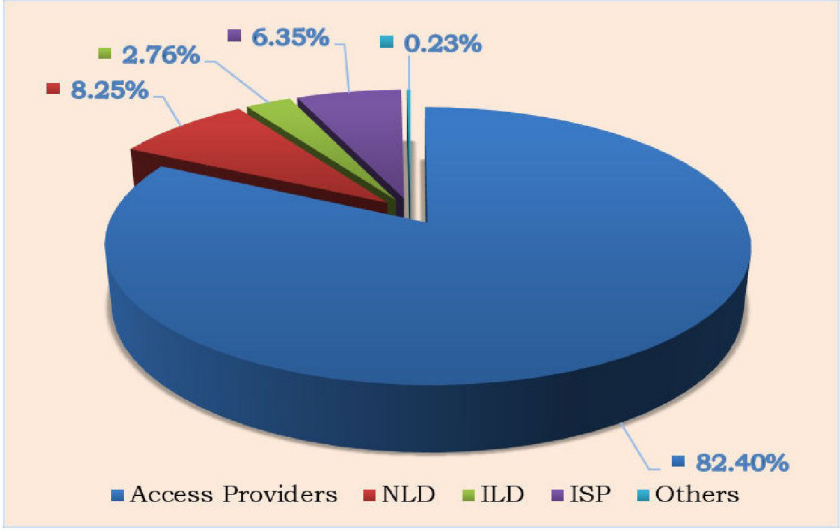

14. एक्सेस सेवाओं ने दूरसंचार सेवाओं के कुल समायोजित सकल राजस्व में 82.40 प्रतिशत का योगदान दिया। जून, 2024 को समाप्त तिमाही में एक्सेस सेवाओं में सकल राजस्व (जीआर), प्रयोज्य सकल राजस्व (एपीजीआर), समायोजित सकल राजस्व (एजीआर), लाइसेंस शुल्क, स्पेक्ट्रम उपयोग प्रभार (एसयूसी) एवं पास-थ्रू प्रभारों में क्रमशः -0.69 प्रतिशत, 1.32 प्रतिशत, 2.83 प्रतिशत, 2.81 प्रतिशत, 0.35 प्रतिशत एवं -6.93 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई।

15. देश में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या जून, 2024 के अंत में बढ़कर 1,205.64 मिलियन हो गई जो कि मार्च, 2024 के अंत में 1,199.28 मिलियन थी, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 0.53 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई। पिछले वर्ष की इसी तिमाही की तुलना में वर्ष-दर-वर्ष (वाई.ओ.वाई) आधार पर दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या में 2.70 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई। देश में समग्र दूरसंचार घनत्व 31 मार्च, 2024 को 85.69 प्रतिशत से बढ़कर 30 जून, 2024 को 85.95 प्रतिशत हो गई।

देश में टेलीफोन उपभोक्ताओं की संख्या तथा दूरसंचार घनत्व का रूझान

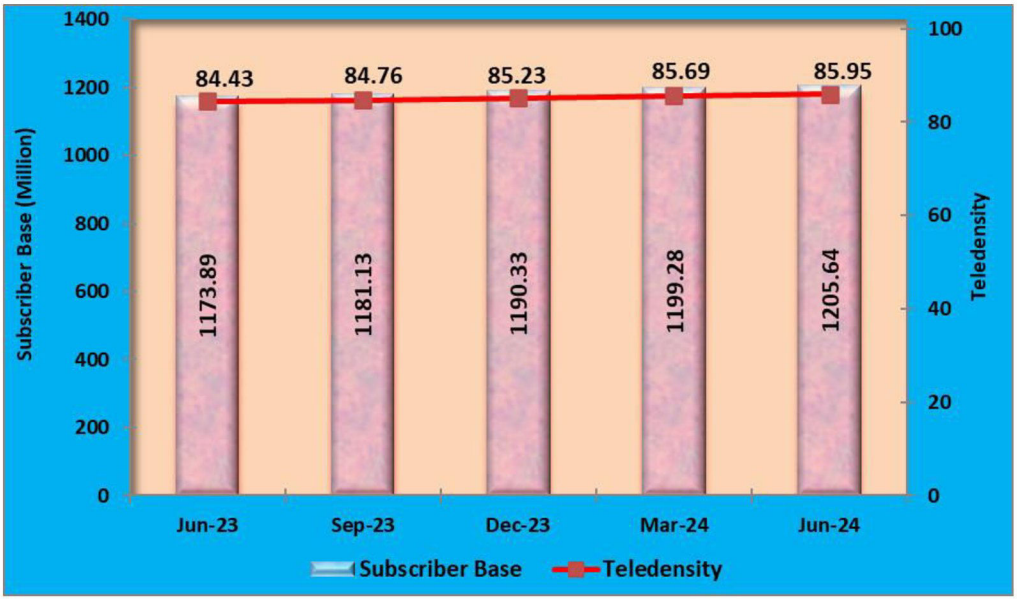

16. जून, 2024 के अंत तक शहरी क्षेत्रों में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या बढ़कर 667.13 मिलियन हो गई जो कि मार्च 2024 के अंत में 665.38 मिलियन थी हालांकि इसी अवधि के दौरान शहरी दूरसंचार घनत्व 133.72 प्रतिशत से घटकर 133.46 प्रतिशत हो गया।

17. जून, 2024 के अंत तक ग्रामीण क्षेत्रों में दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या बढ़कर 538.51 मिलियन हो गई जो कि मार्च 2024 के अंत तक 533.90 मिलियन थी और इसी अवधि के दौरान ग्रामीण दूरसंचार घनत्व भी 59.19 प्रतिशत से बढ़कर 59.65 प्रतिशत हो गया।

18. कुल दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या में से, ग्रामीण उपभोक्ताओं की हिस्सेदारी जून, 2024 के अंत तक बढ़कर 44.67 प्रतिशत हो गई जो कि मार्च 2024 के अंत तक 44.52 प्रतिशत थी।

दूरसंचार उपभोक्ताओं की संख्या का वितरण

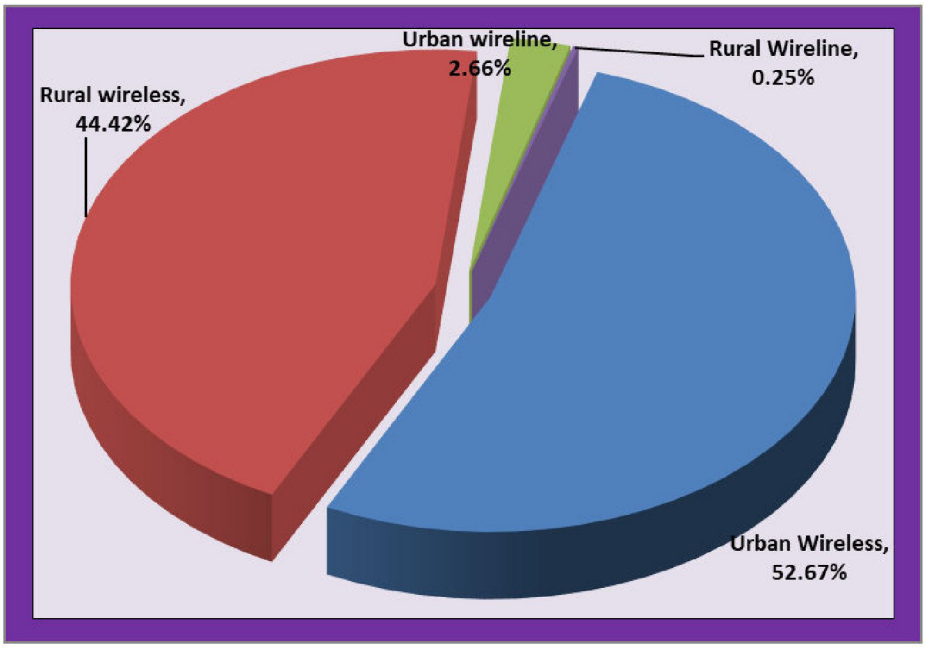

19. इस तिमाही के दौरान 5.04 मिलियन वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्याओं में निबल वृद्धि के साथ कुल वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या जून, **2024** के अंत तक बढ़कर **1,170.53** मिलियन हो गई जो कि मार्च **2024** के अंत तक **1,165.49** मिलियन थी, जिसमें पिछली तिमाही की तुलना में 0.43 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गई। इसी दौरान वार्षिक आधार पर वायरलेस उपभोक्ताओं की संख्या में 2.36 प्रतिशत की वृद्धि दर दर्ज की गयी।

20. वायरलेस दूरसंचार घनत्व 0.21 प्रतिशत की तिमाही वृद्धि दर के साथ जून, **2024** के अंत में बढ़कर **83.45** प्रतिशत हो गया जो कि मार्च **2024** के अंत में **83.27** प्रतिशत था।

21. इस तिमाही के दौरान, वायरलाइन सेवा प्रदाताओं द्वारा क्यूओएस बेंचमार्क के संदर्भ में निम्नलिखित मापदंडों का पूरी तरह से अनुपालन किया गया है: -

i. 'खराबी की घटनाएं' (प्रति **100** ग्राहक/माह खराबी की संख्या) (≤**7**)

ii. अगले कार्य दिवस तक खराबी की मरम्मत का प्रतिशत (ग्रामीण और पहाड़ी क्षेत्रों के लिए) (≥ **75%**)

iii. **7** दिनों के भीतर खराबी की मरम्मत का प्रतिशत (ग्रामीण और पहाड़ी क्षेत्रों के लिए) (**100%)**

iv. प्वाइंट ऑफ इंटरकनेक्शन' (पीओआई) कंजेशन (बेंचमार्क को पूरा नहीं करने वाले पीओआई की संख्या) ≤ **0.5%**

v. **'**मीटरिंग और बिलिंग**'** क्रेडिबिलिटी-पोस्ट-पेड ≤ **0.1%**

vi. मीटरिंग और बिलिंग क्रेडिबिलिटी - प्री-पेड ≤ **0.1%**

vii. **4** सप्ताह के भीतर बिलिंग/चार्जिंग/क्रेडिट और वैधता शिकायतों का समाधान (**4** सप्ताह के भीतर **98%**)

viii. **6** सप्ताह के भीतर बिलिंग/चार्जिंग क्रेडिट और वैधता शिकायतों का समाधान (**6** सप्ताह के भीतर **100%**)

ix. शिकायत के समाधान की तिथि से ग्राहक के खाते में क्रेडिट/छूट/समायोजन लागू करने की अवधि (शिकायत के समाधान के **1** सप्ताह के भीतर **100%)**

x. कॉल सेंटर/ग्राहक सेवा की उपलब्धता (≥ 95%)

22. वायरलाइन सेवा प्रदाताओं द्वारा क्यूओएस में पिछली तिमाही की तुलना में निम्नलिखित मापदंडों में सुधार दर्ज किया गया है: -

i. कॉल सेंटर/ग्राहक सेवा की उपलब्धता ≥ 95%

ii. नब्बे सेकंड के भीतर ऑपरेटरों (वॉयस टू वॉइस) द्वारा उत्तर दिए गए कॉल का प्रतिशत ≥ 95%

23. इस तिमाही के दौरान, सभी सेल्युलर मोबाइल सेवा प्रदाताओं द्वारा पिछली तिमाही की तुलना में पूरी तरह से अनुपालन किए गए मापदंडों की सूची: -

i. सर्किट स्विच्ड वॉयसया वीओएलटीई के लिए कॉल सेटअप सफलता दर और सत्र स्थापना सफलता दर, जैसा लागू हो (लाइसेंसधारी के अपने नेटवर्क के भीतर) ≥ **95%**

ii. **नेटवर्क क्यूओएस डीसीआर** स्थानिक **वितरण उपाय [नेटवर्क_ क्यू**एसडी **(90,90)] ≤ 2%**

iii. नेटवर्क क्यूओएस डीसीआर अस्थायी वितरण उपाय [नेटवर्क क्यूटीडी (97,90)] ≤ 3%

iv. अच्छी आवाज की गुणवत्ता, सर्किट स्विच्ड आवाज की गुणवत्ता और VoLTE गुणवत्ता के साथ कनेक्शन ≥ 95%

v. **डाउन लिंक (डीएल) पैकेट ड्रॉप दर या डीएल - पीडीआर** ≤ 2%

vi. **अप लिंक (यूएल) पैकेट ड्रॉप दर या यूएल-पीडीआर** ≤ 2%

vii. प्वाइंट ऑफ इंटरकनेक्शन (पीओआई) कंजेशन (बेंचमार्क को पूरा नहीं करने वाले पीओआई की संख्या) ≤ 0.5%

viii. मीटरिंग और बिलिंग क्रेडिबिलिटी-पोस्टपेड ≤ 0.1%

ix. मीटरिंग और बिलिंग क्रेडिबिलिटी-प्रीपेड ≤ 0.1%

x. बिलिंग/चार्जिंग/वैधता शिकायतों का समाधान - 4 सप्ताह के भीतर 98%

xi. बिलिंग/चार्जिंग/वैधता शिकायतों का समाधान - 6 सप्ताह के भीतर 100%

xii. कॉल सेंटर/ग्राहक सेवा की पहुंच **≥ 95%**

xiii. समाप्ति/सेवा बंद करना ≤7 दिन

xiv. सेवा बंद होने के बाद जमा की वापसी के लिए लिया गया समय (60 दिनों के भीतर 100%)

24. सेलुलर मोबाइल सेवा प्रदाताओं द्वारा क्यूओएस में पिछली तिमाही की तुलना में निम्नलिखित मापदंडों में गिरावट दर्ज की गई है:

i. बीएस संचित डाउन-टाइम (सेवा के लिए उपलब्ध नहीं) (%) ≤ 2%

ii. डाउन-टाइम (%) के कारण बीएस सबसे अधिक प्रभावित ≤ **2%**

iii. **एसडीसीसीएच/पेजिंग चैनल कंजेशन/आरआरसी कंजेशन (%)** ≤ 1%

iv. **टीसीएच, आरएबी और ई-आरएबी कंजेशन (%)** ≤ 2%

v. शिकायत के समाधान की तिथि से ग्राहक के खाते में क्रेडिट/वेवर/समायोजन लागू करने की अवधि- 100% शिकायत के समाधान के 1 सप्ताह के भीतर

vi. नब्बे सेकंड के भीतर ऑपरेटरों (वॉयस टू वॉइस) द्वारा उत्तर दिए गए कॉल का प्रतिशत ≥ 95%

25. सूचना और प्रसारण मंत्रालय (MIB) द्वारा कुल लगभग **9**12 निजी उपग्रह टीवी चैनलों को केवल अपलिंकिंग/केवल डाउनलिंकिंग/अपलिंकिंग और डाउनलिंकिंग दोनों के लिए अनुमति दी गई है।

26. संशोधित टैरिफ आदेश दिनांक 3 मार्च 2017 के अनुसरण में प्रसारकों द्वारा की गई रिपोर्टिंग के अनुसार, भारत में डाउनलिंकिंग के लिए उपलब्ध 902 अनुमत सैटेलाइट टीवी चैनलों में से, 30 जून 2024 तक, 362 सैटेलाइट पे टीवी चैनल हैं। 362 पे चैनलों में, 259 एसडी सैटेलाइट पे टीवी चैनल हैं और 103 एचडी सैटेलाइट पे टीवी चैनल हैं।

27. देश में पे-डीटीएच सेवा प्रदाताओं की संख्या जून **202**4 के अंत में **4** थी।

28. देश में पे-डीटीएच के कुल औसत सक्रिय उपभोक्ताओं की संख्या **3**0 जून, **202**4 को लगभग 62.17 मिलियन हो गई है। यह संख्या दूरदर्शन के निःशुल्क डीटीएच सेवा के

उपभोक्तओं की संख्या के अलावा है। कुल सक्रिय ग्राहकबेस मार्च तिमाही 2024 में 61.97 मिलियन से बढ़कर जून 2024 तिमाही में 62.17 मिलियन हो गया है।

29. आल इंडिया रेडियो-सार्वजनिक प्रसारक द्वारा प्रचालित रेडियो स्टेशनों के अलावा, दिनांक 30 जून, 2024 को 36 एफएम प्रसारकों के द्वारा उपलब्ध कराये गये आंकड़ों के अनुसार 113 शहरों में कुल 388 निजी एफएम रेडियो स्टेशन कार्य कर रहे थे। पिछली तिमाहीकी तुलना में, इस तिमाही में निजी एफएम रेडियो चैनलों, शहरों और एफएम रेडियो ऑपरेटरोंकी संख्या में कोई बदलाव नहीं हुआ है

30. प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार, विज्ञापन से प्राप्त कुल आय 30 जून, 2024 को समाप्त तिमाही में 388 निजी एफएम रेडियो स्टे शन के लिए 428.48 करोड़ रूपये रही जबकि 31 मार्च, 2024 को समाप्त तिमाही में 388 निजी एफएम रेडियो स्टे शन के लिए 491.98 करोड़ रूपये थी।

31. सूचना और प्रसारण मंत्रालय से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर 30 जून, 2024 को देश में कुल 499 सामुहिक रेडियो स्टेशन कार्यरत हैं।

मुख्य झल कयां

30 जून, 2024 की स्थिति के अनुसार डाटा	
दूरसंचार उपभोक्ता (वायरलैस+वायरलाइन)	
कुल उपभोक्ता	1,205.64 मिलियन
पिछले तिमाहीकी तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	0.53 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ता	667.13 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ता	538.51 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	91.97 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	8.03 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	85.95 प्रतिशत
शहरी दूरसंचार घनत्व	133.46 प्रतिशत
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	59.65 प्रतिशत
वायरलैस उपभोक्ता	
कुल वायरलैस उपभोक्ता	1,170.53 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	0.43 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ता	635 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ता	535.53 मिलियन
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	92.51 प्रतिशत
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	7.49 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	83.45 प्रतिशत
शहरी दूरसंचार घनत्व	127.03 प्रतिशत
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	59.32 प्रतिशत
तिमाही के दौरान वायरलेस डाटा यूसेज	56,183 पेगाबाईट
पब्लिक मोबाईल रेडियो ट्रंक सेवा (पीएमआरटीएस) की कुल संख्या	65,223
वीसैट की कुल संख्या	2,51,840
वायरलाइन उपभोक्ता	
कुल वायरलाइन उपभोक्ता	35.11 मिलियन
पिछली तिमाही की तुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	3.90 प्रतिशत
शहरी उपभोक्ता	32.13 मिलियन
ग्रामीण उपभोक्ता	2.98 मिलियन
सार्वजनिक क्षेत्र के प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	26.08 प्रतिशत
निजी प्रचालकों की बाजार हिस्सेदारी	73.92 प्रतिशत
दूरसंचार घनत्व	2.50 प्रतिशत
ग्रामीण दूरसंचार घनत्व	0.33 प्रतिशत
शहरी दूरसंचार घनत्व	6.43 प्रतिशत
ग्रामीण पब्लिक टेलीफोन की संख्या (वीपीटी)	68,606
पब्लिक काल आफिसों की संख्या (पीसीओ)	16,958

दूरसंचार □वत्तीय आंकडे	
तिमाही के दौरान सकल राजस्व (जीआर)	86,031 करोड़ रुपए
□पछली तिमाहीकी तुलना में जीआर में प्रतिशत परिवर्तन	-2.16 प्रतिशत
तिमाही के दौरान प्रयोज्य सकल राजस्व (एपीजीआर)	83,087 करोड़ रुपए
□पछली तिमाहीकी तुलना में एपीजीआर में प्रतिशत परिवर्तन	-1.02 प्रतिशत
तिमाही के दौरान समायोजित सकल राजस्व (एजीआर)	70,555 करोड़ रुपए
□पछली तिमाहीकी तुलना में एजीआर में प्रतिशत परिवर्तन	0.13 प्रतिशत
एक्सेस एजीआर में सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों की हिस्सेदारी	3.53 प्रतिशत
इंटरनेट/ब्राडबैंड उपभोक्ता	
कुल इंटरनेट उपभोक्ता	969.60 □म□लयन
□पछली तिमाही की ुलना में प्रतिशत में परिवर्तन	1.59 प्रतिशत
नैरोबैंड उपभोक्ता	28.85 □म□लयन
ब्राडबैंड उपभोक्ता	940.75 □म□लयन
वाययलाईन इंटरनेट उपभोक्ता	42.04 □म□लयन
वायरलैस इंटरनेट उपभोक्ता	927.56 □म□लयन
शहरी इंटरनेट उपभोक्ता	562.27 □म□लयन
ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ता	407.33 □म□लयन
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल इंटरनेट उपभोक्ता	69.12
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल शहरी इंटरनेट उपभोक्ता	112.48
प्रति 100 जनसंख्या पर कुल ग्रामीण इंटरनेट उपभोक्ता	45.12
इंटरनेट टेलीफोनी हेतु कुल बहिर्गामी (आऊटगोईंग) उपयोग □मनट	87.01 □म□लयन
सार्वजनिक वाई-फाई हॉटस्पॉट की संख्या	1,64,909
तिमाही के दौरान सार्वजनिक वाई-फाई हॉटस्पॉट में कुल खपत □कया गया डेटा (टीबी)	13,094
प्रसारण और केबल सेवाएं	
केवल अप□ लं□ग/केवल डाउन□ लं□ग/अप□ लं□ग एवं डाउन□ लं□ग दोनों के □लये ूचना और प्रसारण मंत्रालय के साथ पंजीकृत निजी उपग्रह टेली□वजन चैनलोंकी संख्या	902
प्रसारकों के द्वारा रिपोर्ट □कये गयेपे-टीवी चैनलों की संख्या	362
निजी एफएम रे□डयो स्टेशनोंकी संख्या (आकाशवाणी के अलावा)	388
पे-डीटीएच सेवा प्रदाताओं के कुल स□क्रय उपभोक्ताओंकी संख्या	62.17 □म□लयन
चालू कम्यूनिटी रे□डयो स्टेशनोंकी संख्या	499
पे-डीटीएच सेवा प्रदाताओं की संख्या	4
राजस्व और उपयोग मानदण्ड	
वायरलेस सेवा हेतु प्रति उपभोक्ता औसत मा□सक आय (एआरपीयू) (जीएसएमए एलटीई सहित)	157.45 रुपए
वायरलेस सेवा के □लए प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह उपयोग □मनट (एमओयू) (जीएसएमए एलटीई सहित)	974 □मनट
मोबाइल उपभोक्ताओं के द्वारा डाटा उपयोग	
वायरलेस सेवा हेतु प्रति उपभोक्ता प्रतिमाह औसत डाटा उपयोग	21.30 जीबी
तिमाही के दौरान वायरलेस सेवा के □लए प्रति जीबी डाटप्रयोग के □लए औसत ूल्य	8.31 रुपए